

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 146] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 16, 1972/फाल्गुन 26, 1893

No. 146] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 16, 1972/PHALGUNA 26, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 16th March 1972

S.O. 193(E)/18/IDRA/72.—Whereas the Central Government is of the opinion that Mill No. 1 at Konnagar of M/s. Bengal Fine Spinning and Weaving Mills Limited., Calcutta, an industrial undertaking in respect of which an investigation has been made under section 15 of the Industries (Development and Investigation) Act, 1951 (65 of 1951), is being managed in a manner highly detrimental to public interest:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 18A of the said Act, the Central Government hereby authorises the National Textile Corporation Ltd., (hereinafter referred to as Authorised Controller) to take over the management of the whole of the said undertaking, namely Mill No. 1 at Konnagar of M/s. Bengal Fine Spinning and Weaving Mills Ltd., Calcutta, subject to the following terms and conditions namely:—

- (i) The Authorised Controller shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government;
- (ii) The Authorised Controller shall hold office for five years from the date of publication in the official gazette of this notified order;
- (iii) The Central Government may terminate the appointment of the Authorised Controller earlier, if it considers it necessary.

2. This Order shall have effect for a period of five years commencing from the date of its publication in the official gazette.

[No. F 9(23)/Lic. Pol./71.]

K. S. BHATNAGAR, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1972

का० धा० 193 (अ)/18/आई० डी० धार० ए०/72.—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि मैसर्स बंगाल फाइन स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स लि०, कलकत्ता का कोन नगर स्थित मिल सं० 1 नामक औद्योगिक उपक्रम का, जिसके संबंध में उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 के अधीन एक जांच की गई है प्रबन्ध इस ढंग से किया जा रहा है जो सार्वजनिक हित में बहुत ही अहितकर है;

अतः अब उल्लेखित अधिनियम की धारा 18क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार राष्ट्रीय वस्त्र निगम लि० (इसमें जिसे एतदोपरान्त प्राधिकृत नियंत्रक कहा जाएगा) को मैसर्स बंगाल फाइन स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स लि०, कलकत्ता का कोन नगर स्थित मिल सं० 1 नामक उल्लेखित संयुक्त उपक्रम का प्रबन्ध अपने अधिभार में लेने के लिए, निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन एनद्द्वारा प्राधिकृत करती है, अर्थात् :—

- (1) प्राधिकृत नियंत्रक, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर दिये गये निदेशों का पालन करेगा;
- (2) प्राधिकृत नियंत्रक इस अधिपूचित आदेश के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पांच वर्ष तक को अधि के लिए पद धारण करेगा;
- (3) केन्द्रीय सरकार यदि वह ऐसा करना आवश्यक समझेगी, तो उससे पूर्व भी इस प्राधिकृत नियंत्रक की नियुक्ति को समाप्त कर सकती है।

2. यह आदेश सरकारी राजपत्र में इसके प्रकाशित होने की तारीख से आरम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

[म० फा० 9(23)/लाइ०पोलि०/71]

के० एस० भटनागर, संयुक्त सचिव।